भजनलाल आज सूरत में प्रवासी राजस्थान मीट में भाग लेंगे

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सूरत के फार्मास्यूटिकल्स, टैक्सटाइल्स, सिरेमिक्स व पैट्रोकैमिकल्स के उद्यमियों से मिलेंगे

जयपुर, 7 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को गुजरात के सूरत शहर में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर वे वहां रह रहे प्रवासी राजस्थानी समुदाय से संवाद करेंगे और उन्हें राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मेलन में मौजूद रहेंगे।

इस सम्मेलन का आयोजन कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के सहयोग से किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों और उद्योग जगत के साथ राज्य के संबंधों को प्रगाढ़ बनाना है। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा सूरत के फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स, सिरेमिक्स और पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्रों के उद्यमियों से भी मुलाकात करेंगे। इसके अतिरिक्त वे सूरत के डायमंड बूअर्स का भी अवलोकन करेंगे।

यह कार्यक्रम आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के तहत आयोजित हो रहा है। इस श्रृंखला की पहली कड़ी दो सप्ताह पूर्व हैदराबाद में आयोजित की गई थी। इस पहल का उद्देश्य है, 'कनेक्ट, कोलेबोरेट एंड कॉन्ट्रिब्यूट' के सिद्धांत पर चलते हुए प्रवासी राजस्थानियों को राज्य की विकास यात्रा में भागीदार बनाना। राजस्थान सरकार ने निर्णय लिया है कि हर वर्ष 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उद्योग विभाग और राजस्थान फाउंडेशन के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य है, प्रवासी राजस्थानी समुदाय से सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक रिश्तों को सुदृढ़ करना तथा उन्हें राज्य के सतत विकास में सहभागी बनाना।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- सूरत का आयोजन 10 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित ''प्रवासी राजस्थानी दिवस'' के तहत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ''कनैक्ट, कोलैबोरेट एंड कॉन्ट्रिब्यूट'' के सिद्धांत पर चलते हुए प्रवासी राजस्थानियों को राज्य की विकास यात्रा में भागीदार बनाना है।

कर्नाटक में बांध का गेट खुलने से 6 लोग बहे

बंगलूरू, 07 अक्टूबर। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में मंगलवार दोपहर मरकोनाहल्ली बांध का गेट अचानक खुल जाने से पानी के तेज बहाव के कारण कई लोग बह गए। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। दो लोगों के शवों को बरामद किया गया है और चार लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, सभी मृतक तुमकुरु शहर के बीजी पल्या इलाके के रहने वाले थे। ये लोग पिकनिक मनाने बांध के पास पहुंचे थे, तभी हादसा हो गया।

- पंद्रह लोग पिकनिक पर गये थे, बांध का गेट अचानक खुलने से वे बह गए, चार लोग अभी भी लापता हैं।

तुमकुरु के पुलिस अधीक्षक अशोक केवी ने बताया, मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण 15 लोग बीजी पाल्या से मडिपल्या गए थे और बांध देखने का फैसला किया था। जल स्तर कम होने के कारण सात लोग बांध के निचले हिस्से में पहुंच गए। अचानक पानी का प्रवाह बढ़ गया और वे बह गए। पुलिस ने बताया कि अब तक दो शव बरामद किए गए हैं, जबकि चार अन्य लापता हैं।

पूर्व मंत्री भरत सिंह का पैतृक गांव में दाह संस्कार हुआ

उनकी स्पष्टवादिता व ईमानदारी की उनके विरोधी भी प्रशंसा करते थे

कोटा, 7 अक्टूबर (निसं)। पूर्व मंत्री भरत सिंह के निधन के बाद मंगलवार को उनके पैतृक गांव कुंदनपुर में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र भगवती सिंह और गंगा सिंह ने मुखाग्नि दी। इस दौरान लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था। खुद प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित तमाम नेता इस दौरान मौजूद थे। भरत सिंह के पिता जुझार सिंह लंबे समय तक राजनीति में सक्रिय रहे थे। झालावाड़ लोकसभा सीट से सांसद के रूप में उन्होंने प्रतिनिधित्व भी किया था।

इसके बाद, भरत सिंह राजनीति में सक्रिय हो गए। वे सरपंच, प्रधान और चार बार विधायक रहे हैं। हालांकि उन्होंने अपने बेटों को राजनीति में एंट्री नहीं करवाई। उनके बड़े बेटे भगवती सिंह जयपुर में कॉ-ऑपरेटिव सेक्टर की एक निजी कंपनी में जनरल मैनेजर हैं। छोटे बेटे गंगा सिंह आर्टिस्ट हैं। वे कोटा में ही खेती के साथ यह कार्य करते हैं। दोनों बेटों के एक-एक बेटी है। भरत सिंह की पत्नी मीना देवी सरपंच रही हैं। अंतिम संस्कार से पहले भरत सिंह के पार्थिव शरीर को मंगलवार को कोटा गुमानपुरा स्थित उनके घर भी लाया गया, जहां पर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद शव को जिला कांग्रेस कमेटी के दफ्तर कोटड़ी रोड़ पर ले जाया गया, जहां पर जिले के सभी वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शरीर को पैतृक गांव कुंदनपुर ले जाया गया, जहां पर अंतिम संस्कार किया गया है।

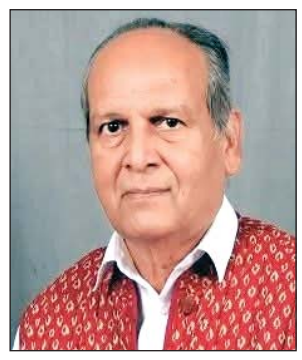

भरत सिंह

भरत सिंह के बारे में जानकारी देते हुए उनके पूर्व निजी सहायक जगदीश गुप्ता ने बताया कि वे चुनाव में कोई ज्यादा राशि खर्च नहीं करते थे। बिना लवाजमे के ही चुनाव लड़ लेते थे। उनके चुनाव में कुछ लाख रुपए ही खर्च होते थे। ज्यादा बड़ी सभाएं और बैनर-पोस्टर लगाना भी उन्हें पसंद नहीं था। पूरे जीवन में गांधी विचारधारा को ही उतार कर वे राजनीति करते रहे।

जगदीश गुप्ता का कहना है कि भरत सिंह खुद ही उनके कार्यकर्ताओं को फोन कर जुट जाने के लिए कहते थे और वह अपने आप ही काम में जुट जाते थे। भरत सिंह का विरोध करने का तरीका अनूठा था। वे अपने ही पार्टी के नेताओं का कई बार विरोध कर चुके थे, जिनमें मुख्यमंत्री से लेकर छोटे-बड़े नेता शामिल हैं।

- भरत सिंह सरपंच, प्रधान तथा चार बार विधायक रहे। उनके पिता जुझार सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ व प्रतिष्ठित नेता थे।

उनके अंतिम संस्कार के समय कांग्रेस तथा भाजपा के अनेक नेता, स्थानीय अधिकारी तथा आमजन भारी संख्या में मौजूद थे। पूर्व मंत्री भरत सिंह कुंदनपुर के निधन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गहरा शोक प्रकट करते हुए कहा कि भरत सिंह कुंदनपुर का संपूर्ण जीवन जनसेवा को समर्पित रहा। वे सिद्धातनिष्ठ सरल और जनहित के प्रति समर्पित नेता थे। उनका निधन हाड़ौती और राजस्थान की राजनीति के लिए बड़ी क्षति है।

ब्लूचिस्तान व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर्थिक पक्ष के साथ-साथ संप्रभुता का सवाल भी जुड़ा है। खबरें हैं कि अमेरिकी कंपनियां बंदरगाहों और रसद नेटवर्क पर विशेष अधिकार की मांग कर सकती हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पर यह एक खतरे की घंटी ज़रुर है। ग्वादर जैसे अस्पष्ट समझौतों के अनुभव को देखते हुए, विशेषज्ञ संसद की निगरानी और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं, ताकि देश की रणनीतिक स्वायत्तता (स्ट्रैटेजिक ऑटोनोमी) पर कोई आंच न आए।

इस समझौते में बलूचिस्तान जैसे प्रांतों को भी बराबर की हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब धन केन्द्रीकृत (सैन्ट्रलाइज्ड) होता है तो संसाधन-समृद्ध क्षेत्र अक्सर गरीब रह जाते हैं। इसलिए राजस्व का न्यायसंगत बंटवारा और स्थानीय समुदायों में निवेश अनिवार्य है, ताकि राजनीतिक असंतोष न पनपे। पर्यावरणीय सुरक्षा भी बड़ी चुनौती है। रेयर अर्थ खनन अत्यंत प्रदूषणकारी और पानी-खपत वाला होता है। यदि सख्त पर्यावरणीय नियम लागू नहीं हुए, तो पाकिस्तान म्यांमार जैसी गलतियां दोहरा सकता है, जहां बेतहाशा खनन से गंभीर पर्यावरणीय नुकसान हुआ है।

आखिरकार, यह सिर्फ एक समझौता नहीं, बल्कि दूरदर्शिता की परीक्षा है। पाकिस्तान के सामने दो रास्ते हैं, या तो वह इस अवसर का उपयोग करते हुए अपनी औद्योगिक क्षमता, रिफाइनिंग और अनुसंधान केन्द्र विकसित करे और रोजगार पैदा करे, या फिर वह सस्ते खनिजों का आपूर्तिकर्ता बनकर रह जाए, तथा असली मुनाफा दूसरे देश उठाएं। अगर यह समझौता सोच-समझकर, पारदर्शी और संतुलित ढंग से किया गया, तो यह पाकिस्तान के औद्योगिक इतिहास में नया मोड़ साबित हो सकता है, जो उसे स्वच्छ ऊर्जा और एडवान्स्ड मैनुफैकचरिंग के वैश्विक नेटवर्क में मजबूत स्थान दिलाएगा। लेकिन अगर इसे जल्दबाजी, गोपनीयता या एकतरफा शर्तों के साथ लागू किया गया, तो यह निर्भरता को और गहरा कर देगा, और संसाधन तो जाएंगे ही, पर अवसर खो जाएंगे।

'मुझे न लोभ है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीजेआई और मेरा विरोध करने वालों से पूछता हूं- क्या उन लोगों के खिलाफ योगी की बुलडोजर कार्रवाई गलत थी, जो लोग सरकारी जमीन पर कब्जा किए बैठे थे। मैं आहत हूं और रहूंगा।''

किशोर उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में हुए उन बुलडोजर अभियानों का जिक्र कर रहे थे, जिनमें योगी आदित्यनाथ सरकार ने दंगों के आरोपियों की कथित अवैध संपत्तियां तोड़ी थीं। दंगे उस समय भड़के थे, जब प्रशासन ने ''आई लव मुहम्मद'' लिखा बैनर हटाया था।

राकेश किशोर 2009 से दिल्ली बार काउंसिल में पंजीकृत वरिष्ठ वकील हैं और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन तथा शाहदरा बार एसोसिएशन सहित, कई बार एसोसिएशंस के सदस्य हैं। वे दिल्ली के मयूर विहार में रहते हैं। पुलिस ने घटना के समय उनके पास से कई बार एसोसिएशन सदस्यता कार्ड बरामद किए।

संदर्भित घटना सोमवार सुबह करीब 11:35 बजे सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर 1 में हुई, जब किशोर ने सुनवाई के दौरान कथित रुप से अपने स्पोर्ट्स शूज़ उतारकर सीजेआई गवई की ओर फेंकने की कोशिश की। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उन्हें रोक लिया, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ। बाहर ले जाए जाने के दौरान किशोर ने नारे लगाए- ''सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।''

सीजेआई गवई शांत बने रहे और वकीलों से कहा, ''ध्यान मत भटकाइए'', और कार्यवाही जारी रखी।

घटना के बाद, ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में प्रदर्शन किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए किशोर ने एक्स पर लिखा, ''मेरे खिलाफ प्रदर्शन करने सिर्फ 7 लोग आए। इसका मतलब है कि ज्यादातर वकील अप्रत्यक्ष रूप से एंटी -हिन्दू सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मेरे कदम का समर्थन कर रहे हैं।''

जयपुर- ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों ओर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा व विधायक कैलाश वर्मा को मौके पर रवाना किया। साथ ही, जिला कलेक्टर और एसपी को सतर्कता बरतने व राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।

हिमाचल में बस पर पहाड़ का मलबा गिरा, 18 की मौत

मलबे में पूरी बस दब गई, दो बच्चियों व एक बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया

शिमला, 7 अक्टूबर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक भयानक बस हादसा हुआ है। यहां एक प्राइवेट बस भूस्खलन (लैंडस्लाइड) की चपेट में आई गई। मलबे के नीचे दबने से बस में सवार 18 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार शाम करीब साढ़े छह बजे बालूघाट (भल्ला पुल) के पास हुआ, जब मरोतन से घुमारवीं जा रही बस पर पहाड़ी से भूस्खलन का मलबा गिर गया।

मलबे के गिरने से पूरी बस उसकी चपेट में आ गई। इस हादसे में दो बच्चियों और एक बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया है। इनमें से एक बच्ची की मां की दुर्घटना में मौत हो गई। उधर, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

- बस में 30 से 35 यात्री सवार थे। बचाव दल मलबा हटाकर लोगों को निकालने का प्रयास कर रहा है। अभी तक किसी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर जिले के झंडूता विधानसभा क्षेत्र में बालूघाट (भल्ला पुल) के पास मंगलवार शाम साढ़े छह बजे के करीब यह दर्दनाक हादसा हुआ। पहाड़ी से अचानक गिरे भूस्खलन के मलबे ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। मलबे के भारी दबाव से बस पूरी दब गई और खड्ड के किनारे जा गिरी। बस के अंदर सवार सभी यात्री मलबे के नीचे दब गए। खबर लिखे जाने तक बस के अंदर से 18 शव निकाले जा चुके थे। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बस में 30 से 35 यात्री सवार थे, जो मरोतन, बरठीं, घुमारवीं और बीच के स्टेशनों के रहने वाले थे। बस चालक और परिचालक की भी इस हादसे में मौत हो गई है। अभी तक किसी भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। बचाव दल मलबे को हटाकर फंसे हुए लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस बस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मोदी ने पुतिन को जन्म दिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, 09 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को टेलीफोन कर उनके 73वें जन्मदिन पर उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं सभी प्रयासों में सफलता की कामना की।

दोनों नेताओं ने भारत और रूस के द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वे 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति पुतिन का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

सितम्बर की वर्षा के बाद सड़कों पर नई रिपोर्ट पेश करेगी सरकार

जयपुर, 7 अक्टूबर। शहर की खराब व टूटी-फूटी सडकों के हालात व इससे आमजन को हो रही परेशानी से जुड़े मामले में राज्य सरकार ने मंगलवार को हाईकोर्ट में कहा कि उन्होंने अगस्त महीने में तथ्यात्मक रिपोर्ट दे दी थी। इसके बाद कई सड़कों पर पैचवर्क कराया गया, लेकिन सितंबर महीने में भी बारिश हुई है। ऐसे में अब नए सिरे से सडकों के हालात की रिपोर्ट पेश कर दी जाएगी। वहीं, न्याय मित्र तनवीर अहमद ने कहा कि जब सरकार नई रिपोर्ट के लिए कह रही है तो हम भी उसका जवाब बाद में ही दे देगें। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में रिपोर्ट देने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश शहर की खराब व टूटी-फूटी सडकों के हालात पर लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान मामले में दिए।

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को रिपोर्ट पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है।

दरअसल हाईकोर्ट ने जुलाई महीने में शहर की खराब सड़कों व गड्ढों पर प्रसंज्ञान लेते हुए जेडीए और निगम आयुक्तों को निर्देश दिया था कि वे शहर की सडकों का सर्वे कर दो सप्ताह में इस संबंध में तथ्यात्मक रिपोर्ट दें। अदालत ने अफसरों से पूछा था कि शहर की सड़कों के मौजूदा हालात और उन्हें सुधारने की स्थिति क्या है।

कफ सिरप मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नयी दिल्ली, 07 अक्टूबर। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित तौर पर 'दूषित कफ सिरप' सेवन से कई बच्चों की मौत के मामले की अदालत की निगरानी में स्वतंत्र जांच और देश के दवा सुरक्षा ढांचे में व्यापक बदलाव की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गयी है।

अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति गठित करने का आग्रह किया गया है। याचिका में कहा गया है कि यदि शीर्ष अदालत यह आयोग या समिति गठित करती है तो वह डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) युक्त 'दूषित कफ सिरप' के निर्माण, परीक्षण और वितरण की गहन स्वतंत्र जांच करने में सक्षम होगी। याचिका के अनुसार, शिवपुरी (मध्य प्रदेश) और बाड़मेर (राजस्थान) में हाल ही में हुई घटनाओं ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि कथित तौर पर तमिलनाडु की दवा कंपनी मेसर्स श्रीसन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की कथित तौर पर मौत हो गई।

- याचिका में सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति गठिन करने की मांग की है।

पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस पार्टी के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा को तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते एचडी देवगौड़ा को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे 93 वर्षीय देवगौड़ा को संक्रमण के कारण मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे 92 वर्षीय देवगौड़ा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसी सिलसिले में उन्हें बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल की ओर से एक बयान भी जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा को संक्रमण के कारण ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वर्तमान में डॉक्टर्स की टीम उन पर निगरानी रख रही है।

एयर इंडिया के विमान से पक्षी टकराया

चेन्नई, 07 अक्टूबर। कोलंबो से चेन्नई के बीच उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के एक विमान के इंजन से मंगलवार को एक पक्षी टकरा गया और बड़ा हादसा बच गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान के चेन्नई हवाईअड्डे पर उतरने के बाद दुर्घटना का पता चला और एयरलाइन ने अपनी वापसी यात्रा रद्द कर दी। घटना के वक्त विमान में 158 यात्री सवार थे। सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं।

- हादसा टला, यात्री सुरक्षित, कोलम्बो की वापसी उड़ान रद्द।

एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, चेन्नई से कोलंबो जा रहे विमान एआई 273 के चालक दल ने एक संदिग्ध पक्षी के टकराने की सूचना दी थी।

अलवर बालिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट जज को लेटर लिखवाया है। राज्य सरकार ने मौके पर जांच की है, लेकिन मौके पर किसी तरह की अव्यवस्था नहीं मिली। दूसरी ओर मामले में विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से रिपोर्ट पेश की गई। इस पर अदालत ने कहा कि दोनों रिपोर्ट अलग-अलग हैं। ऐसे में विभाग के निदेशक मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट दें। मामले के अनुसार, अलवर बालिका गृह में रहने वाली किशोरियों की ओर से गत दिनों हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को शिकायती पत्र भेजा गया था, जिसमें कहा गया था कि सरकारी अधिकारियों की निष्क्रियता के चलते उन्हें अनुदान मिलने में गंभीर समस्याएं आ रही हैं। इसके साथ ही अधिकारियों पर प्रताड़ना का भी आरोप लगाया गया था। पत्र पर कार्रवाई करते हुए हाईकोर्ट की एकलपीठ ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही, एकलपीठ ने मामले को जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई के लिए खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा था।

'राजनीति में मेरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कठोर रुख अपनाने वाले नेताओं को संतुष्ट करने के लिए है।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, सीट-बंटवारे की बातचीत को चुनाव तिथियों की घोषणा तक टालना एक रणनीतिक कदम है, ताकि टिकट न मिलने पर नेताओं की आखिरी समय पर होने वाली दलबदल को रोका जा सके।

इस बीच, एलजेपी के सूत्रों ने उन रिपोर्टों को ख़ारिज किया, जिनमें कहा गया था कि भाजपा और जेडीयू ने आपस में 200 सीटों का बँटवारा कर लिया है और बाक़ी की सीटें सहयोगियों को दी जाएँगी।

सूत्रों ने पूछा, ''क्या किसी नेता ने आधिकारिक घोषणा की है?'' साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि एलजेपी की बातचीत भाजपा से होगी, न कि जनता दल यूनाइटेड से, जो नीतीश कुमार की पार्टी के साथ जारी तनाव का एक और संकेत है।

लेकिन सीट बंटवारे से आगे भी पासवान-भाजपा रिश्ते में कई परतें हैं। एक प्रमुख मुद्दा है, चिराग पासवान की मुख्यमंत्री बनने की इच्छा, जिसे वे अब खुलकर जाहिर कर रहे हैं।

मंगलवार सुबह एलजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्टर साझा किया, ''अबकी बार, युवा बिहारी।''

पोस्टर में चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में दिखाया गया था। यह संदेश सीधा और स्पष्ट था, एलजेपी ने चिराग को नीतीश कुमार का उत्तराधिकारी बताने की कोशिश की, साथ ही भाजपा के लोकसभा चुनाव वाले नारे की तर्ज़ पर अपने समर्थन का संकेत भी दिया।

एलजेपी सूत्रों ने बताया कि अब पार्टी का ध्यान ''चिराग पासवान के नेतृत्व को बिहार में मज़बूत करने'' पर है। राजनीति में जैसे वोट अहम होते हैं, वैसे ही छवि की लड़ाई भी होती है। एलजेपी अब चिराग पासवान को विपक्षी उम्मीदवार तेजस्वी यादव के सीधे प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश करने की तैयारी कर रही है।

मानवाधिकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करें और आयोग इनसे अपेक्षा रखता है कि वे एसएमएस अस्पताल के मरीजों व उनके परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश मीडिया में प्रकाशित खबरों पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिया।

आयोग ने कहा कि पहले भी एसएमएस अस्पताल में प्लास्टर गिरने से मरीजों के घायल होने सहित, अन्य मुद्दों पर आयोग ने आदेश दिए थे, लेकिन फिर भी एसएमएस अस्पताल में इन घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि अस्पताल में अग्निशमन सेफ्टी सिस्टम ही सुचारू नहीं था और इस कारण ही अस्पताल में इतना बड़ा हादसा हुआ। ये सभी घटना दर्दनाक व मानवीय संवेदनाओं को झकझोर करने वाली हैं और बताती हैं कि अस्पताल प्रशासन मरीजों व उनके परिजनों के प्रति उदासीन है।

जीतन राम मांझी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलना नई बात नहीं है, लेकिन एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही गठबंधनों के लिए खतरा यह है कि अगर जन सुराज जैसी नई पार्टी नेता तोड़ने में सफल होती है, तो मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, अब्दुल बारी सिद्दीकी उत्तर बिहार के सम्मानित अल्पसंख्यक नेता हैं। वे राज्य के वित्त मंत्री और सांसद रह चुके हैं, लेकिन आरजेडी में पीढ़ीगत बदलाव के बाद, उन्हें हाशिए पर कर दिया गया था। अगर वे जनसुराज पार्टी में शामिल हो जाते हैं, तो पार्टी को मुसलमान वोट बैंक में पैठ बनाने में मदद मिल सकती है, क्योंकि बिहार में मुस्लिम मतदाता कम से कम 18 प्रतिशत हैं।

इसी प्रकार हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा से हुए दल-बदल ने एनडीए में भी चिंता बढ़ा दी है। जैसे ही ये खबरें आईं, भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जीतन राम मांझी के साथ मीटिंग की। भाजपा को डर है कि हिन्दुस्तानी अवामी मोर्चा के नेताओं के पार्टी बदलने के बाद, खुद मांझी भी पाला बदल सकते हैं, किन्तु मांझी ने ऐसी किसी संभावना से इनकार किया है। एनडीए की दूसरी चिंता लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान के आगामी कदमों को लेकर है। खबरें हैं कि चिराग, उन्हें दी जा रही सीटों की संख्या को लेकर असंतुष्ट हैं और पिछले कुछ दिनों से एनडीए के बड़े नेताओं के फोन कॉल्स का जवाब नहीं दे रहे हैं। ऐसी अटकलें भी हैं कि वे प्रशांत किशोर के साथ हाथ मिला सकते हैं।

तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मान्यता दी, जो मानवीय पैमाने पर क्वांटम परिघटनाओं को प्रदर्शित करने की खोज में एक सफलता का प्रतीक है। मालूम हो कि विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (भारतीय रुपयों में 10.3 करोड़), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

आईएसआई ने बलूचिस्तान में दो आतंकी संगठनों में गठबंधन कराया

यह पाकिस्तानी सेना के जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद को भड़काने की मंशा दर्शाता है

नयी दिल्ली, 07 अक्टूबर। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कुख्यात जासूसी एजेंसी आईएसआई की मदद से दो घातक आतंकी संगठनों, लश्कर ए तैयबा (एलईटी) और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) के बीच एक नये गठबंधन को क्रियान्वित किया गया है।

यह गठजोड़ अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के लोगों के लिए बढ़ रहे खतरे की ओर इशारा कर रहा है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि पाकिस्तानी सेना जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद को फिर से भड़काने का इरादा रखती है जिससे क्षेत्रीय शांति को भंग किया जा सके।

आईएसकेपी की प्रचार पत्रिका ''यलगार'' के हालिया अंक में इस बदलाव का संकेत दिया गया है। इससे पता चलता है कि उनकी भारत के राज्य जम्मू- कश्मीर में अपनी गतिविधियों का विस्तार करने की मंशा है। इस गठजोड़ की आईएसआई पूरी तरह से मदद कर रही है। प्रचार पत्रिका से जानकारी मिली है कि पाकिस्तान कथित तौर पर लश्कर ए तैयबा और आईएसकेपी के बीच सहयोग को सुगम बना रहा है और लश्कर के लॉजिस्टिक नेटवर्क का उपयोग आईएसकेपी की आतंकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

- लश्कर ए तैयबा (एलईटी) तथा इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) का गठबंधन अफगानिस्तान व बलूचिस्तान के लिये लोगों के लिये खतरे का संकेत है।

दरअसल पाकिस्तान सेना अपने क्षेत्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आतंकी समूहों का छद्म रूप से उपयोग करती रही है। सेना की लंबे समय से चली आ रही यह नीति अब भी बेरोकटोक जारी है, इस कड़ी में अब आईएसकेपी उसका नवीनतम हथियार बनकर उभरा है। पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान बलूच राष्ट्रवादियों और तालिबान शासन के उन तत्वों को निशाना बनाते हैं जो इस्लामाबाद को चुनौती देते हैं। इसके लिए दाइश (आईएसआईएस) और आईएसकेपी का इस्तेमाल किया जाता है।

हाल ही में सामने आयी एक तस्वीर में आईएसकेपी के बलूचिस्तान समन्वयक मीर शफीक मेंगल को लश्कर ए तैयबा के सीनियर कमांडर राना मोहम्मद अशफाक को एक पिस्तौल उपहार में देते हुए दिखाया गया है। यह तस्वीर खतरे की घंटी बजा रही है और आईएसआई के सीधे संरक्षण में पाकिस्तान के विस्तारित आतंकी गठजोड़ को उजागर कर रही है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908